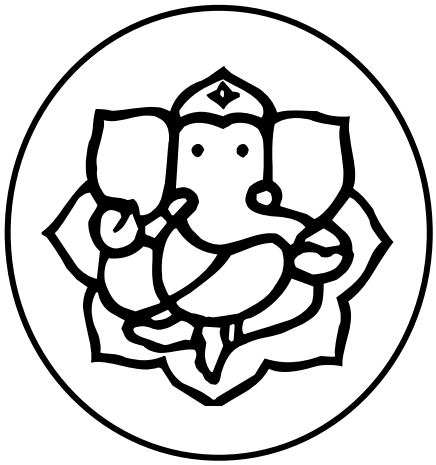

गुण – मिलान (विवाह)

नाम –	**KOUSIK ROY**	**Ishiya Ambrouce**
जन्म दिन –	**6 January 1983 (Thursday)**	**2 May 1985 (Thursday)**
जन्म समय –	**00:18:00PM**	**00:25:33PM**
जन्म स्थान –	**Asansol (west Bengal) , INDIA**	**Ballia (up) , INDIA**
अक्षांश –	**086:59:00E**	**084:10:00E**
रेखांश –	**023:41:00N**	**025:45:00N**

नाम– _____

संस्था का नाम– _____

पता– _____

_____

_____

फोन– _____

श्रीगणेशाय नमः

गणानां त्वां गणपतिं हवामहे कविं कवीनामुपमश्रवस्तमम् ।
ज्येष्ठराजं ब्रह्मणां ब्रह्मणस्पत आ नः शृण्वन्नूतिभिः सीद सादनम् ।।

नवग्रहस्तोत्र

जपाकुसुमसंकाशं काश्यपेयं महद्द्युतिम ।
तमोऽरिं सर्वपापघ्नं प्रणतोऽसिदिवाकरम्।। १ ।।
दधिशङ्खतुषाराभं क्षीरोदार्णवसंभवम ।
नमामि शशिनं सोमं शंभोर्मुकुटभूषणम।। 2 ।।
धरणीगर्भसंभूतं विधुत्कान्तिसमप्रभम् ।
कुमारंशक्तिहस्तंचमगंलंण्णमाम्यहम्।। ३ ।।
प्रियंगुकलिकाश्यामं रूपेणाप्रतिमं बुधम् ।
सौम्यंसौम्यगुणोपेतंतंवुधंप्रणमाम्यहम् ।। ४ ।।
देवानां च ऋषीणां च गुरूं काड़वनसंनिभम्।
बुद्धिभूतंत्रिलोकेशंतंनमामिबृहस्पतिम् ।। ५ ।।
हिमकुन्दमृणालाभं दैत्यानां परमं गुरूम्
सर्वशास्त्रप्रवक्तारंभार्गवंप्रणमाम्यहम् ।। ६ ।।
नीलांजनसमाभासं रविपुत्रं यमाग्रजम् ।
छायामार्तण्डसुभूतंतंनमामिशनैश्वरम् ।। ७ ।।
अर्धकायं महावीर्य चन्द्रादित्यविमदनम्।
सिंहिकागर्भसंभूतंतंराहुंप्रणमाम्यहम्।। ८ ।।
पलाशपुष्पसंकाशं तारकाग्रहमस्तकम्।
रौद्रं रौद्रात्मकं घोरं तं केतुं प्रणमाम्यहम् ।। ६ ।।

फलश्रुति

इति व्यासमुखोद्गीतं यः पठेत्सुसमाहितः।
दिवा वा यदि वा रात्रौ विघ्नशान्तिर्भयविष्यति ।। १ ।।
नरनारीनृपाणां च भवेहुः स्वप्रनाशनम
ऐश्वर्यमतुलंतेषामारोग्यंपुष्टिवर्धनम् ।। 2 ।।
ग्रहनक्षत्रजाः पीडस्तस्कराग्रिसमुद्रवाः ।
ताः सर्वाः प्रशमं यान्ति व्यासो ब्रूते न संशयः ।। ३ ।।
इति श्री व्यासविरचितं आदित्यादिनवग्रहस्तोत्रं संपूर्णम् ।।

ज्योतिष सारिणी

	KOUSIK ROY	Ishiya Ambrouce
जन्म दिन–	6 January 1983 (Thursday)	2 May 1985 (Thursday)
जन्म समय–	00:18:00PM	00:25:33PM
जन्म स्थान–	Asansol (west Bengal) , INDIA	Ballia (up) , INDIA
रेखांश–	086:59:00E	084:10:00E
अक्षांश–	023:41:00N	025:45:00N
समयक्षेत्र–	-05:30:00 hrs	-05:30:00 hrs
समय संशोधन–	00:00:00 hrs	00:00:00 hrs
जीएमटी. समय–	06:48:00 hrs	06:55:33 hrs
स्थानीय समय संस्कार–	00:17:56 hrs	00:06:40 hrs
स्थानीय समय–	12:35:56 hrs	12:32:13 hrs

लग्न :	मेष	कर्क
लग्नाधिपति :	मंगल	चन्द्रमा
राशि (चन्द्रमा) :	कन्या	कन्या
राशिपति :	बुध	बुध
नक्षत्र :	हस्त	हस्त
नक्षत्रपति :	चन्द्रमा	चन्द्रमा
नक्षत्र चरण :	4	1
पाया :	स्वर्ण	ताम्र
ऋतु :	हेमन्त	बसन्त
मास :	मार्गशीर्ष	वैशाख
पक्ष :	कृष्ण	शुक्ल
तिथि :	अष्टमी	त्रयोदशी
तिथि श्रेणी :	जया	जया
तिथि पति :	राहु	बृहस्पति
करण :	कौलव	कौलव
करण श्रेणी :	चर	चर
करणपति :	चन्द्र	चन्द्र
गण :	देव	देव
वर्ण :	वैश्य	वैश्य
योनि :	महिष (स्त्री)	महिष (स्त्री)
सूर्य सिद्धान्त योग :	अतिगण्ड	हर्षण
रज्जु :	कंठ	कंठ
वश्य :	द्विपद	द्विपद
तत्व :	अग्नि	अग्नि
तत्वाधिपति :	मंगल	मंगल
विहग :	वायस	वायस
नाड़ी :	आदि	आदि
नाड़ी पद :	अन्त	आदि
वेध :	शतभिषा	शतभिषा
आद्याक्षर :	था	पु

ग्रह स्थिति

KOUSIK ROY						Ishiya Ambrouce					
ग्रह	राशि	डिग्री	नक्षत्र			ग्रह	राशि	डिग्री	नक्षत्र		
लग्न	मेष	08:13:14	अश्विनी (३)	–	–	लग्न	कर्क	29:04:01	आश्लेषा (४)	–	–
सूर्य	धनु	21:45:34	पूर्वाषाढ (३)	मि0ग्र0	दु0ग्रह	सूर्य	मेष	18:10:17	भरणी (२)		दु0ग्रह
चन्द्रमा	कन्या	23:10:40	हस्त (४)	श0ग्र0	–	चन्द्रमा	कन्या	12:16:02	हस्त (१)		–
मंगल	मकर	27:32:02	धनिष्ठा (२)	उच्च0	शु0ग्र0	मंगल	वृष	10:26:50	रोहिणी (१)		–
बुध	मकर	08:53:41	उत्तराषाढ़ (४)	मि0ग्र0	शु0ग्र0	बुध	मीन	21:26:26	रेवती (२)		शु0ग्र0
बृहस्पति	वृश्चिक	08:34:35	अनुराधा (२)	मि0ग्र0	–	बृहस्पति	मकर	21:34:45	श्रवण (४)		–
शुक्र	मकर	07:03:18	उत्तराषाढ़ (४)	मि0ग्र0	शु0ग्र0	शुक्र	मीन	13:20:32	उत्तराभाद्रपद (४)		शु0ग्र0
शनि	तुला	09:38:04	स्वाती (१)	उच्च0	–	शनि व0	वृश्चिक	02:10:31	विशाखा (४)	व0	–
राहु व0	मिथुन	09:57:41	आर्द्रा (१)	त0ग्र0	–	राहु व0	मेष	25:04:37	भरणी (४)	व0	दु0ग्रह
केतु व0	धनु	09:57:41	मूल (३)	त0ग्र0	दु0ग्रह	केतु व0	तुला	25:04:37	विशाखा (२)	व0	–
इन्द्र	वृश्चिक	13:35:50	अनुराधा (४)	–	शु0ग्र0	इन्द्र व0	वृश्चिक	23:40:34	ज्येष्ठा (३)	व0	दु0ग्रह
वरूण	धनु	03:49:31	मूल (२)	–	दु0ग्रह	वरूण व0	धनु	09:46:22	मूल (३)	व0	–
रूद्र	तुला	05:42:39	चित्रा (४)	–	दु0ग्रह	रूद्र व0	तुला	09:28:03	स्वाती (१)	व0	दु0ग्रह

KOUSIK ROY

लग्न कुण्डली

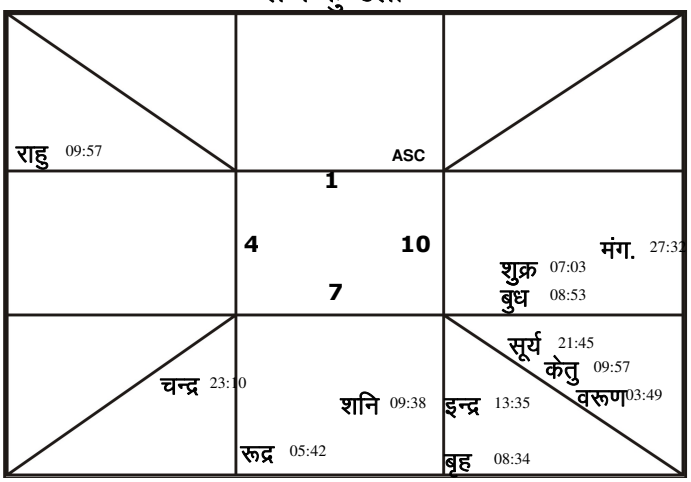

नवांश कुण्डली

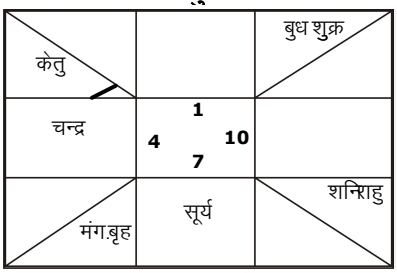

चन्द्र कुण्डली

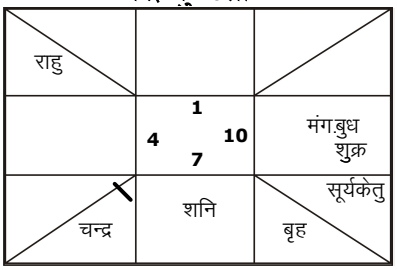

Ishiya Ambrouce

नवांश कुण्डली

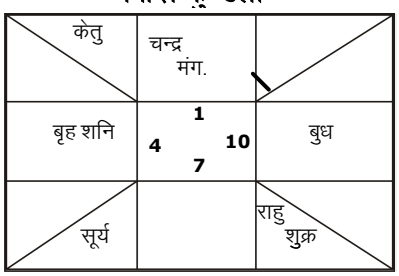

चन्द्र कुण्डली

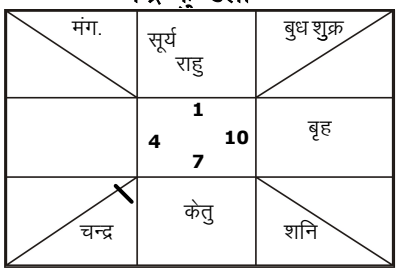

लग्न कण्डली

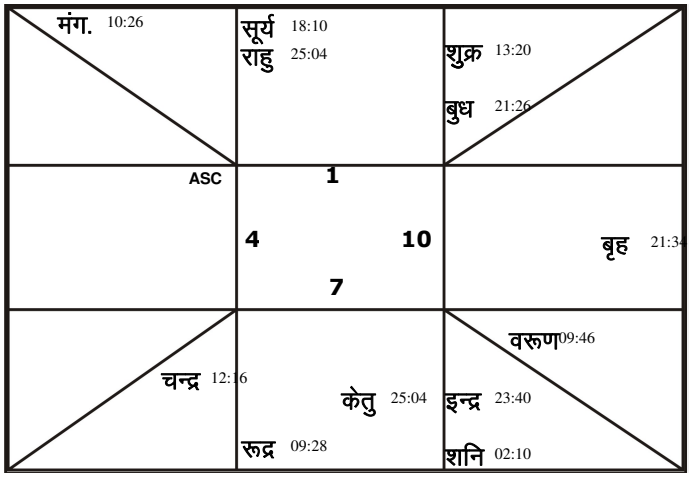

विवाह मेलापक सारिणी
(अष्टकूट सिद्धान्त के अनुसार)

क0स0	विवरण	KOUSIK	Ishiya	पूर्णांक	प्राप्ताकं	अभिप्राय
1	वर्ण कूट	वैश्य	वैश्य	1	1	दैविय विकास
2	वश्य कूट	द्विपद	द्विपद	2	2	प्राकृतिक सामजंस्य
3	तारा कूट	जन्म	जन्म	3	3	सम्बन्ध का स्थायित्व
4	योनि कूट	महिष (स्त्री)	महिष (स्त्री)	4	4	प्रत्यक्ष गुण
5	ग्रह–मैत्री कूट	बुध	बुध	5	5	मानसिक प्रकृति
6	गण कूट	देव	देव	6	6	विवाह सम्बन्धि अनुरूपता
7	राशि कूट	कन्या	कन्या	7	7	आपसी तालमेल
8	नाड़ी कूट	आदि	आदि	8	0	मानसिक मानक
योग				36	28	77.8%

दाम्पत्य सम्बन्धित अन्य विचार

क0स0	विवरण	परिणाम
1	नाड़ी–पद कूट	यद्यपि भावी दम्पति के कुण्डलीयों में नाड़ी कूट समझौता नही है, फिर भी नाड़ी पद समझौता इनके कुण्डलियों में उपस्थित है। इसलिए नाड़ी कुट की अनुपस्थिति को अनदेखा किया जा सकता है।
2	महेन्द्र कूट	भावी दम्पति के कुण्डलियों में महेन्द्र कूट समझौता उपस्थित नही है।
3	स्त्री दीर्घ कूट	भावी दम्पति के कुण्डलियों मे स्त्रीदीर्घ कूट समझौता उपस्थित नही है। चुकि राशि कूट और ग्रह मैत्री कूट भावी दम्पति के कुण्ड़तियों में उपस्थित है इसलिए स्त्री दीर्घ कूट समझौता की अनुपस्थिति को अनदेखा किया जा सकता है
4	रज्जु कूट	भावी दम्पति के कुण्डलियों में रज्जु कूट समझौता अनुपस्थित है। यदि कुण्ड़ली में कोई सुधार की संभावना उपस्थित नही है तो भावी पत्नी के स्वास्थ पर बुरा असर पड़ सकता है।
5	वेध कूट	चूकि वर और बधु के चन्द्रमा के नक्षत्र परस्पर वेध सम्बन्ध नही स्थापित करतें है, वे एक दूसरे को अच्छी तरह से समझेगें और किसी तरह का आपसी वैमनस्य होने की सभांवना कम ही है ।
6	समान जन्म राशि	वर–वधु के चन्द्रमा का नक्षत्र और राशि एक समान है परिणाम के लिए समान जन्म नक्षत्र वालें भाग को देखें।
7	समान जन्म नक्षत्र	वर–वधु के चन्द्रमा का नक्षत्र एक समान है, परन्तु चन्द्रमा की स्थिति के कारण एक शुभ युग्म की रचना हो रही है। विवाह की अनुमति तभी हो सकती है जबकि कुण्डली में और कोई अशुभ संकेत मौजुद नही हों।
8	समान जन्म नक्षत्र–पद	यद्यपि वर–वधु के चन्द्रमा का नक्षत्र समान है, पर उनके चरण एक समान नही है। इस स्थिति में विवाह की अनुमति है।

सुक्ष्मग्राही बिन्दु

KOUSIK ROY		Ishiya Ambrouce	
बीज–स्फुट(१)	037:23:27	क्षेत्र–स्फुट(१)	134:17:37
बीज–स्फुट(२)	013:55:54	क्षेत्र–स्फुट(२)	205:08:55
बीज–स्फुट(३)	289:33:02	क्षेत्र–स्फुट(३)	025:55:50
शु लक्षण	52 %	शु लक्षण	52 %

ग्रहों से अष्टकुट गुण मिलान

लग्न से				
कूट	KOUSIK	Ishiya	सम्पू0	प्राप्त0
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0
वश्य	चतुश्पद	जलचर	2	2
तारा	सम्पत	अति मित्र	3	3
योनि	अश्व (पु0)	श्वान (स्त्री)	4	2
ग्रह–मैत्री	मंगल	चन्द्रमा	5	4
गण	देव	राक्षस	6	0
राशि	मेष	कर्क	7	7
नाडी	आदि	अन्त	8	8
योग			36	26

सूर्य से				
कूट	KOUSIK	Ishiya	सम्पू0	प्राप्त0
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1
वश्य	चतुश्पद	चतुश्पद	2	2
तारा	जन्म	जन्म	3	3
योनि	गौ (पु0)	हस्त (पु0)	4	2
ग्रह–मैत्री	बृहस्पति	मंगल	5	5
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6
राशि	धनु	मेष	7	0
नाडी	मध्य	मध्य	8	0
योग			36	19

चन्द्रमा से				
कूट	KOUSIK	Ishiya	सम्पू0	प्राप्त0
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1
वश्य	द्विपद	द्विपद	2	2
तारा	जन्म	जन्म	3	3
योनि	बिल्ली (पु0)	बिल्ली (पु0)	4	4
ग्रह–मैत्री	बुध	बुध	5	5
गण	देव	देव	6	6
राशि	कन्या	कन्या	7	7
नाडी	आदि	आदि	8	0
योग			36	28

मंगल से				
कूट	KOUSIK	Ishiya	सम्पू0	प्राप्त0
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1
वश्य	जलचर	चतुश्पद	2	2
तारा	सम्पत	अति मित्र	3	3
योनि	ब्याघ्र (स्त्री)	सर्प (पु0)	4	2
ग्रह–मैत्री	शनि	शुक्र	5	5
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0
राशि	मकर	वृष	7	0
नाडी	मध्य	अन्त	8	8
योग			36	21

बुध से				
कूट	KOUSIK	Ishiya	सम्पू0	प्राप्त0
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0
वश्य	जलचर	जलचर	2	2
तारा	खेष्म	निधन	3	1.5
योनि	महिष (स्त्री)	हस्त (पु0)	4	2
ग्रह–मैत्री	शनि	बृहस्पति	5	3
गण	मनुष्य	देव	6	5
राशि	मकर	मीन	7	7
नाडी	अन्त	अन्त	8	0
योग			36	20.5

बृहस्पति से				
कूट	KOUSIK	Ishiya	सम्पू0	प्राप्त0
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1
वश्य	कीट	जलचर	2	2
तारा	प्रत्यरी	साधक	3	1.5
योनि	मूषक (स्त्री)	गौ (पु0)	4	2
ग्रह–मैत्री	मंगल	शनि	5	0.5
गण	देव	देव	6	6
राशि	वृश्चिक	मकर	7	7
नाडी	मध्य	अन्त	8	8
योग			36	28

शुक्र से				
कूट	KOUSIK	Ishiya	सम्पू0	प्राप्त0
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0
वश्य	जलचर	जलचर	2	2
तारा	प्रत्यरी	साधक	3	1.5
योनि	महिष (स्त्री)	मेष (पु0)	4	3
ग्रह–मैत्री	शनि	बृहस्पति	5	3
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6
राशि	मकर	मीन	7	7
नाडी	अन्त	मध्य	8	8
योग			36	30.5

शनि से				
कूट	KOUSIK	Ishiya	सम्पू0	प्राप्त0
वर्ण	शुद्र	विप्र	1	0
वश्य	द्विपद	कीट	2	1
तारा	अति मित्र	सम्पत	3	3
योनि	बिल्ली (पु0)	मूषक (पु0)	4	1
ग्रह–मैत्री	शुक्र	मंगल	5	3
गण	देव	राक्षस	6	0
राशि	तुला	वृश्चिक	7	0
नाडी	अन्त	अन्त	8	0
योग			36	8

राहु से				
कूट	KOUSIK	Ishiya	सम्पू0	प्राप्त0
वर्ण	शुद्र	क्षत्रिय	1	0
वश्य	द्विपद	चतुश्पद	2	0.5
तारा	प्रत्यरी	साधक	3	1.5
योनि	सर्प (स्त्री)	हस्त (पु0)	4	2
ग्रह–मैत्री	बुध	मंगल	5	0.5
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6
राशि	मिथुन	मेष	7	7
नाडी	आदि	मध्य	8	8
योग			36	25.5

केतु से				
कूट	KOUSIK	Ishiya	सम्पू0	प्राप्त0
वर्ण	क्षत्रिय	शुद्र	1	1
वश्य	चतुश्पद	द्विपद	2	0.5
तारा	खेष्म	निधन	3	1.5
योनि	सर्प (स्त्री)	मूषक (पु0)	4	1
ग्रह–मैत्री	बृहस्पति	शुक्र	5	0.5
गण	राक्षस	राक्षस	6	6
राशि	धनु	तुला	7	7
नाडी	आदि	अन्त	8	8
योग			36	25.5

भाव स्फूट और कुण्डली

भाव सख्या	भाव मध्य		भाव विस्तार (आरम्भ––अन्त)			
I	मेष	008:13:14	मीन	21:39:34	मेष	21:39:34
II	वृष	005:05:54	मेष	21:39:34	वृष	18:32:14
III	मिथुन	001:58:34	वृष	18:32:14	मिथुन	15:24:53
IV	कर्क	028:51:13	मिथुन	15:24:53	कर्क	15:24:53
V	सिहं	001:58:34	कर्क	15:24:53	सिहं	18:32:14
VI	कन्या	005:05:54	सिहं	18:32:14	कन्या	21:39:34
VII	तुला	008:13:14	कन्या	21:39:34	तुला	21:39:34
VIII	वृश्चिक	005:05:54	तुला	21:39:34	वृश्चिक	18:32:14
IX	धनु	001:58:34	वृश्चिक	18:32:14	धनु	15:24:53
X	मकर	028:51:13	धनु	15:24:53	मकर	15:24:53
XI	कुम्भ	001:58:34	मकर	15:24:53	कुम्भ	18:32:14
XII	मीन	005:05:54	कुम्भ	18:32:14	मीन	21:39:34

लग्न कुण्डली

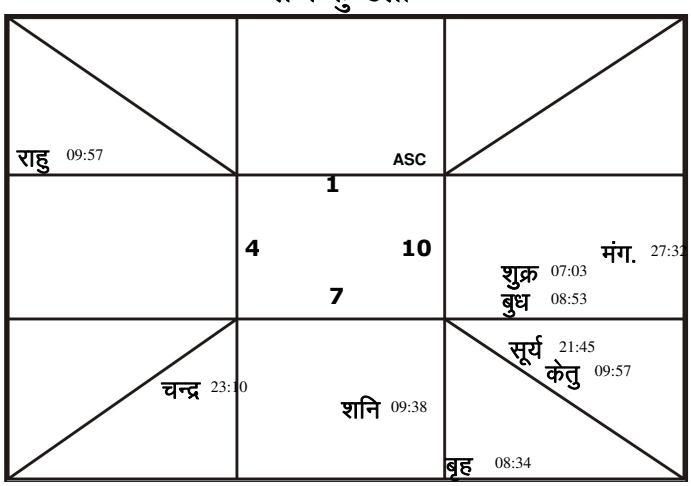

भाव कुण्डली

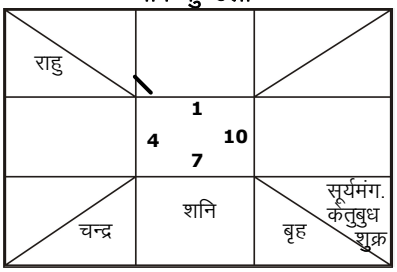

भाव चलित कुण्डली

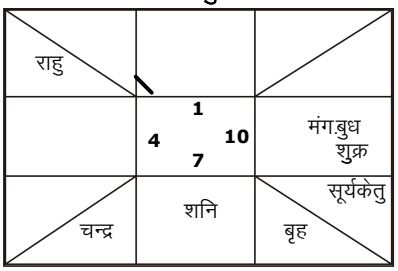

ग्रह से भाव (भाव मध्य) के बीच की दूरी

	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि	राहु	केतु	इन्द्र	वरूण	रूद्र
लग्न	254	165	289	**271**	**210**	**269**	**181**	62	242	215	236	177
दूसरा भाव	227	138	262	244	183	242	155	35	215	188	**209**	**151**
तीसरा भाव	200	111	236	217	157	215	128	8	188	162	182	124
नादिर	173	84	**209**	190	130	188	101	341	161	135	155	97
पॉचवा भाव	140	51	176	157	97	155	68	308	128	102	122	64
छठवा भाव	107	18	142	124	63	122	35	275	95	68	**89**	31
सातॅवा भाव	74	345	109	**91**	30	**89**	**1**	242	62	35	56	357
आठवा भाव	47	318	82	64	3	62	335	215	35	8	29	331
नवा भाव	20	291	56	37	337	35	308	188	8	342	2	304
एम सी	353	264	29	10	310	8	281	161	341	315	335	277
ग्यारहवा भाव	320	231	356	337	277	335	248	128	308	282	302	244
बारहवा भाव	287	198	322	304	243	302	215	95	275	248	**269**	**211**

0,1,359 ०,१,३५६ कन्जक्शॅन **59,60,61,299,300,301** सेक्सटाइल **89,90,91,269,270,271** स्कवायर

119,120,121,239,240,241 ट्राइन **149,150,151,209,210,211** क्वीनकक्सं **179,180,181** अपोजीसन

षोडश वर्ग

लग्न(जन्म) कुण्डली

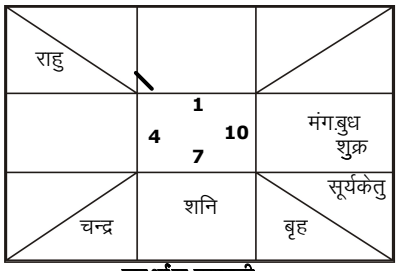

होरा कुण्डली

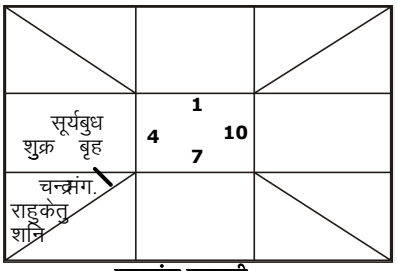

द्रेष्काण कुण्डली

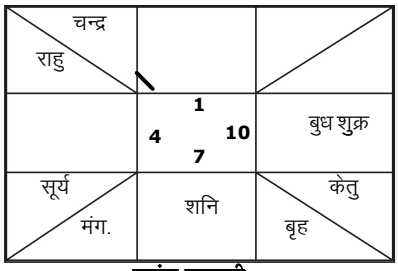

चतुर्थांश कुण्डली

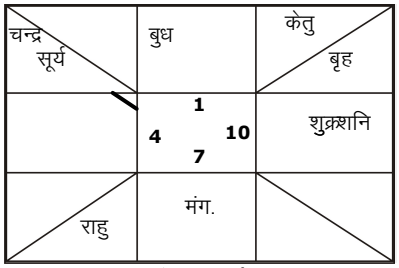

सप्तमांश कुण्डली

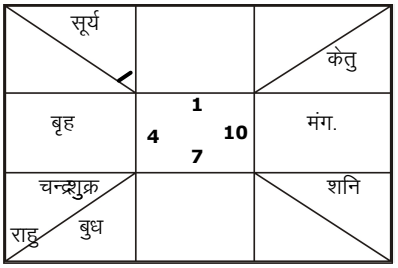

नवांश कुण्डली

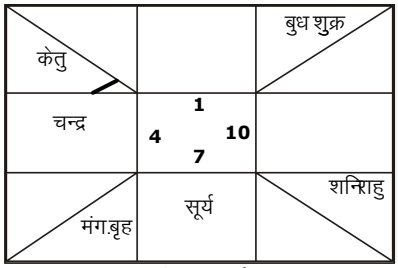

दशमांश कुण्डली

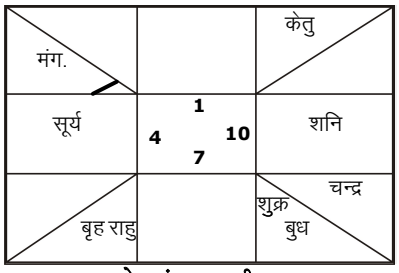

द्वादशांश कुण्डली

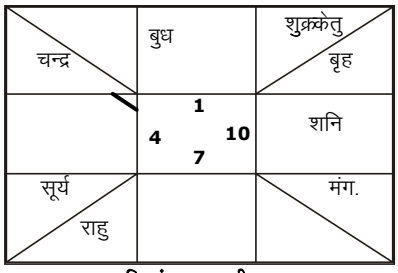

D1	मुख्य कुण्डली, सभी मुद्दों के लिए
D2	धन दौलत के लिए
D3	सहोदरों का जीवन और स्वास्थ्य
D4	भाग्य और रिहायशी मकान
D7	संतान और उनकी संतान
D9	जीवनसाथी और उनका स्वास्थ्य
D10	कारोबार और किसी भी कार्य में सफलता
D12	माता-पिता का जीवन और स्वास्थ्य
D16	वाहन से संबंधित बातें
D20	अध्यात्मिक रूझान
D24	शिक्षा, ज्ञान और समझ
D27	ताकत और दुर्बलता
D30	दरिद्रता, कठिनाईयां और दुर्गति
D40	शुभ-अशुभ घटनाएं
D45	सभी मुद्दों के लिए
D60	सभी मुद्दों के लिए

षोडशांश कुण्डली

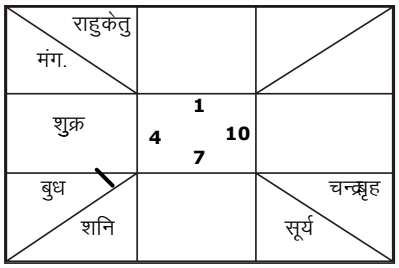

विशांश कुण्डली

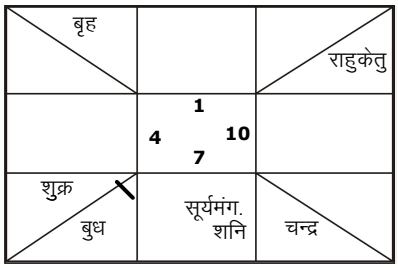

चतुर्विंशांश कुण्डली

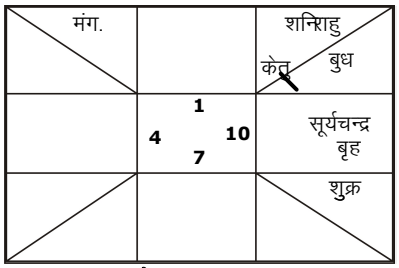

सप्तविंशांश कुण्डली

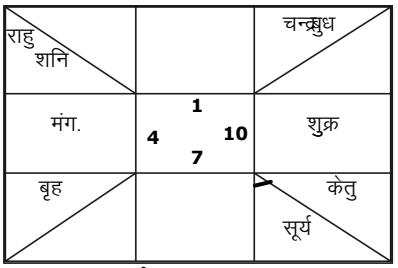

त्रिंशांश कुण्डली

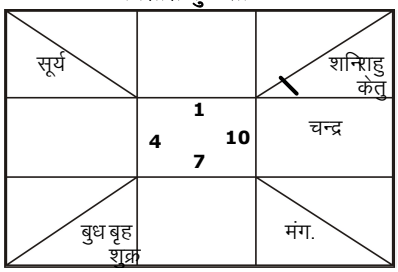

खवेदांश कुण्डली

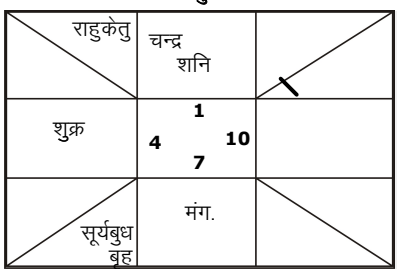

अक्षवेदांशं कुण्डली

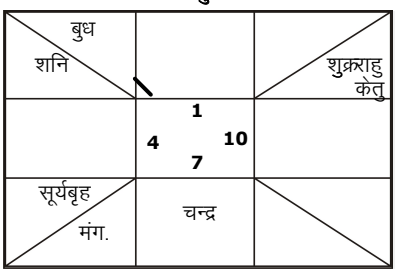

षष्ठांश कुण्डली

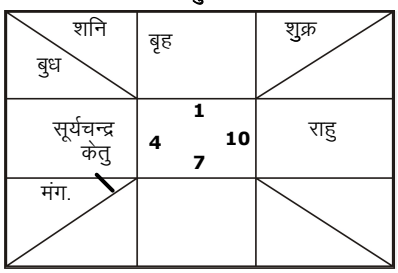

Printed by - MindSutra Software Technologies, New Delhi , www.mindsutra.com

षड्बल

बल का नाम	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि
उच्च बल	23.92	13.27	59.84	22.04	18.81	33.35	56.54
सप्त वर्ग बल	135.00	108.75	108.75	110.63	120.00	91.88	142.50
युग्म अयुग्म बल	30.00	30.00	00.00	00.00	00.00	30.00	30.00
केन्द्रादी बल	15.00	15.00	60.00	60.00	30.00	60.00	60.00
द्रेक्कन बल	00.00	15.00	00.00	00.00	15.00	00.00	00.00
स्थान बल	**203.92**	**182.02**	**228.59**	**192.66**	**183.81**	**215.23**	**289.04**
वांछित स्थान बल	165	133	96	165	165	133	96
वांछित अंश	123.59	136.86	238.12	116.76	111.40	161.82	301.09
दिग बल	**57.64**	**31.89**	**50.44**	**30.22**	**10.12**	**02.73**	**59.53**
वांछित दिग बल	35	50	30	35	35	50	30
वांछित अंश	164.67	63.78	168.13	86.36	28.91	05.47	198.43
नतोन्नत बल	57.50	02.50	02.50	57.50	00.00	57.50	02.50
पक्ष बल	30.47	29.53	30.47	30.47	29.53	29.53	30.47
त्रिभाग बल	60.00	00.00	00.00	00.00	60.00	00.00	00.00
वर्ष बल	00.00	00.00	00.00	00.00	00.00	15.00	00.00
मास बल	00.00	00.00	00.00	00.00	00.00	00.00	30.00
दिन बल	00.00	00.00	00.00	00.00	45.00	00.00	00.00
होरा बल	00.00	00.00	00.00	60.00	00.00	00.00	00.00
अयन बल	01.14	37.78	11.49	54.09	03.69	04.36	45.26
युद्ध बल	00.00	00.00	00.00	00.00	00.00	00.00	00.00
काल बल	**149.12**	**69.81**	**44.47**	**202.06**	**138.22**	**106.39**	**108.24**
वांछित काल बल	112	100	67	112	112	100	67
वांछित अंश	133.14	69.81	66.37	180.41	123.41	106.39	161.55
चेष्टा बल	**01.14**	**29.53**	**45.00**	**45.00**	**30.00**	**45.00**	**30.00**
वांछित चेष्टा बल	50	30	40	50	50	30	40
वांछित अंश	02.29	98.42	112.50	90.00	60.00	150.00	75.00
नैसर्गिक बल	**60.00**	**51.43**	**17.14**	**25.71**	**34.29**	**42.86**	**08.57**
द्रिक बल	**-27.28**	**-04.17**	**-07.66**	**-27.77**	**-04.25**	**-27.81**	**-00.42**
कुल षड्बल	**444.54**	**360.51**	**377.99**	**467.89**	**392.18**	**384.39**	**494.96**
षड्बल (रूप में)	**7.41**	**6.01**	**6.30**	**7.80**	**6.54**	**6.41**	**8.25**
न्यूनतम वांछनिय	390	360	300	420	390	330	300
वांछनिय अंश	113.98	100.14	126.00	111.40	100.56	116.48	164.99
तुलनात्मक स्थिति	**3**	**7**	**6**	**2**	**4**	**5**	**1**
इष्ट फल	**11.07**	**19.80**	**51.89**	**31.49**	**23.75**	**38.74**	**41.19**
कष्ट फल	**48.93**	**40.20**	**08.11**	**28.51**	**36.25**	**21.26**	**18.81**
दिप्ति बल	**100.00**	**29.53**	**11.92**	**36.72**	**14.39**	**19.53**	**24.04**

भावबल

भाव सँख्या	I	II	III	IV	V	VI	VII	VIII	IX	X	XI	XII
भाव राशि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
भावाधिपति बल	377.99	384.39	467.89	467.89	444.54	467.89	384.39	377.99	392.18	392.18	494.96	392.18
भाव दिग्बल	30.00	20.00	40.00	60.00	10.00	10.00	00.00	50.00	20.00	00.00	40.00	20.00
भाव दृष्टि बल	-09.51	09.84	-28.22	03.75	-06.95	11.23	00.42	15.60	-08.74	-27.81	02.07	07.09
भाव बल का योग	**398.48**	**414.23**	**479.67**	**531.65**	**447.59**	**489.12**	**384.81**	**443.58**	**403.43**	**364.36**	**537.03**	**419.27**
भाव बल (रूप में)	**6.64**	**6.90**	**7.99**	**8.86**	**7.46**	**8.15**	**6.41**	**7.39**	**6.72**	**6.07**	**8.95**	**6.99**
तुलनात्मक स्थिति	**10**	**8**	**4**	**2**	**5**	**3**	**11**	**6**	**9**	**12**	**1**	**7**

ग्रह दृष्टि (पराशरी)

ग्रह	मुख्य दृष्टि	विशेष दृष्टि
सूर्य	राहु	------
चन्द्रमा	------	------
मंगल	------	लग्न
बुध	------	------
बृहस्पति	------	------
शुक्र	------	------
शनि	लग्न	सूर्य, केतु
राहु	सूर्य, केतु	------
केतु	राहु	------

ग्रह दृष्टि (जैमिनी)

राशि (ग्रह)	सम्मुख दृष्टि	पृष्ठ दृष्टि
मेष	वृश्चिक (बृ0)	सिहं, कुम्भ
वृष	तुला (श0)	कर्क, मकर (मं0, बु0, शु0)
मिथुन (रा0)	कन्या (च0)	धनु (सू0, के0), मीन
कर्क	कुम्भ	वृष, वृश्चिक (बृ0)
सिहं	मकर (मं0, बु0, शु0)	मेष, तुला (श0)
कन्या (च0)	मिथुन (रा0)	धनु (सू0, के0), मीन
तुला (श0)	वृष	सिहं, कुम्भ
वृश्चिक (बृ0)	मेष	कर्क, मकर (मं0, बु0, शु0)
धनु (सू0, के0)	मीन	मिथुन (रा0), कन्या (च0)
मकर (मं0, बु0, शु0)	सिहं	वृष, वृश्चिक (बृ0)
कुम्भ	कर्क	मेष, तुला (श0)
मीन	धनु (सू0, के0)	मिथुन (रा0), कन्या (च0)

नोट-सम्मुख दृष्टि का प्रभाव पृष्ठ दृष्टि से ज़्यादा होता है।

ग्रह दृष्टि (ताजिक)

ग्रह	लग्न	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि	राहु	केतु
लग्न	---									
सूर्य	5/9 (-)	---								
चन्द्रमा	6/8 (-)	4/10 (+)	---							
मंगल	4/10 (-)	2/12 (+)	5/9 (+)	---						
बुध	4/10 (+)	2/12 (-)	5/9 (-)	1/1 (-)	---					
बृहस्पति	6/8 (+)	2/12 (-)	3/11 (-)	3/11 (-)	3/11 (+)	---				
शुक्र	4/10 (+)	2/12 (-)	5/9 (-)	1/1 (-)	1/1 (+)	3/11 (+)	---			
शनि	7/7 (+)	3/11 (-)	2/12 (-)	4/10 (-)	4/10 (+)	2/12 (+)	4/10 (+)	---		
राहु	3/11 (+)	7/7 (-)	4/10 (-)	6/8 (-)	6/8 (+)	6/8 (+)	6/8 (+)	5/9 (+)	---	
केतु	5/9 (+)	1/1 (-)	4/10 (-)	2/12 (-)	2/12 (+)	2/12 (+)	2/12 (+)	3/11 (+)	7/7 (+)	---

१/१ कन्जक्शन , २ /१२ सेमी सेक्सटाइल , ३/११ सेक्सटाइल , ४/१० स्क्वायर , ५/६ ट्राइन , ६/८ क्वीन्कशं , ७/७ अपोजीशन (.) से अभिप्राय यह है कि इसमें ग्रहीय दृष्टि सीमा का समावेश है , () से अभिप्राय यह है कि इसमें ग्रहीय दृष्टि सीमा का समावेश नहीं है।

नोट- ग्रह दृष्टि के लिए ताजिक सिद्धान्त के अनुसार औसत ग्रहीय दृष्टि सीमा को लिया गया है। राहु और केतु के लिए दृष्टि सीमा ६ लिय गया है, परन्तु लग्न के लिए किसी दृष्टि सीमा को नहीं लिया गया है।

भिन्न अष्टक वर्ग कुण्डली

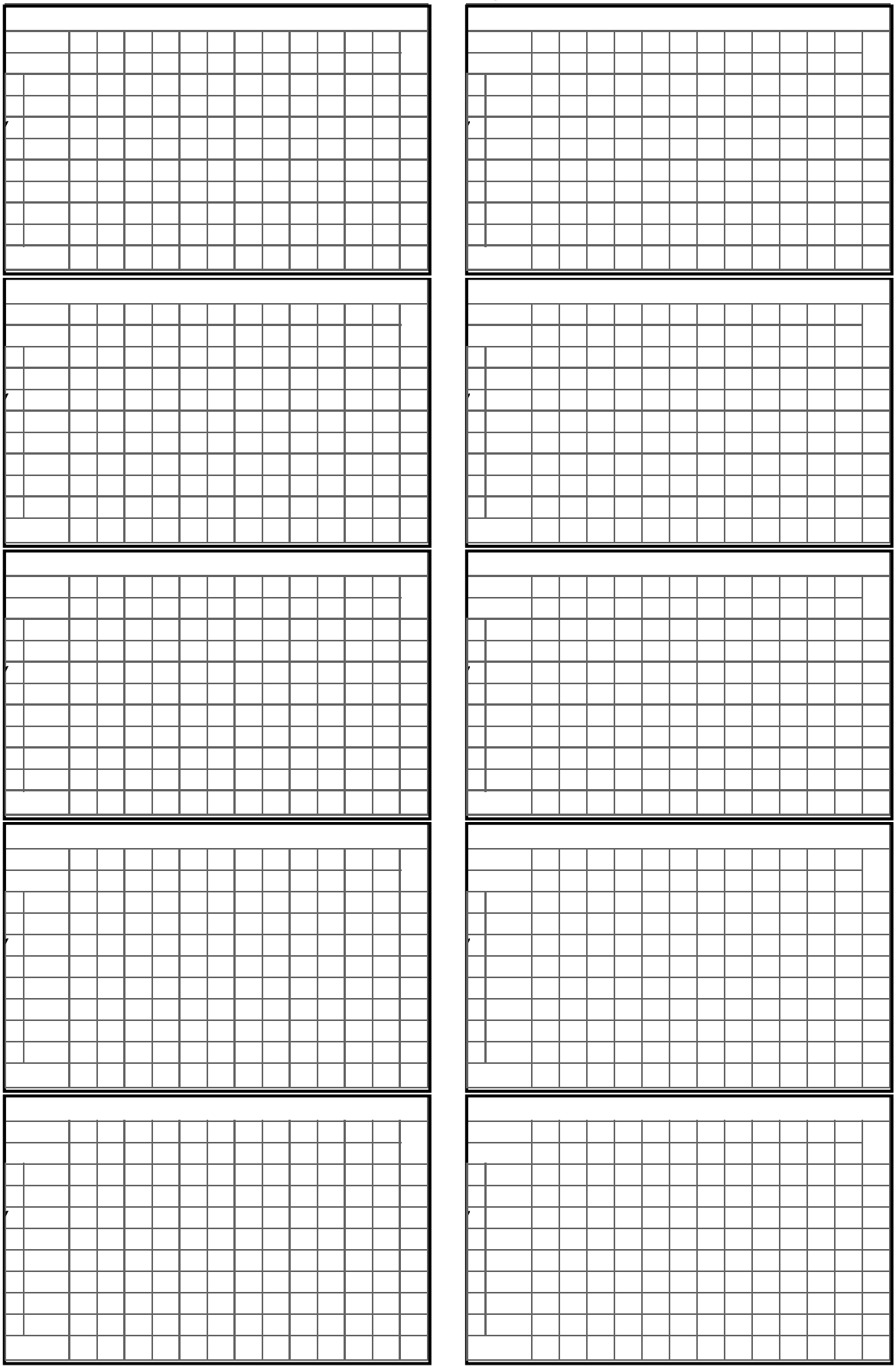

सर्वाष्टक वर्ग से निष्कर्ष

सर्वाष्टक वर्ग

राशि		मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिहं	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	
भाव		I	II	III	IV	V	VI	VII	VIII	IX	X	XI	XII	
♄	शनि	2	1	5	3	2	4	4	4	5	2	3	4	39
♃	बृहस्पति	3	5	4	4	4	6	6	4	4	6	7	3	56
♂	मगंल	5	3	4	3	4	3	4	4	1	3	4	1	39
☉	सूर्य	3	2	6	7	3	5	4	4	3	4	3	4	48
♀	शुक	3	6	5	5	5	5	3	6	4	3	3	4	52
☿	बुध	7	5	4	4	4	5	6	6	2	5	4	2	54
☽	चन्द्रमा	2	5	5	4	3	6	5	5	1	2	6	5	49
योग		25	27	33	30	25	34	32	33	20	25	30	23	337
AC	लग्न	3	3	4	3	5	4	4	5	2	5	6	5	49
☊	राहु	5	2	5	6	3	3	0	3	6	3	5	3	44

तत्व चक्र

स0 व0 बिन्दु	पूर्णांकं	प्राप्ति	शुभ दिशा
अग्नि त्रिकोन	84.25	70	पूर्व
पृथ्वी त्रिकोन	84.25	86	दक्षिण
वायू त्रिकोन	84.25	95	पश्चिम
जल त्रिकोन	84.25	86	उत्तर

)विशेष – सबसे ज़्यादा बिन्दु सबसे शुभ दिशा को इंगित करता है (पू, द, प और उ)। अगर दोनों भागों के बिन्दुओं की संख्या बराबर या आसपास हैं, तो शुभ दिशा (उ पू, दपू, उ प और दप) होगी।)

भुवन चक्र

स0 व0 बिन्दु	पूर्णांकं	प्राप्ति	निष्कर्ष
केन्द्र भाव–राशि	112.33	112	मेहनत और लगन
पनफरा भाव–राशि	112.33	115	आर्थिक स्थिति
अपक्लिम् भाव–राशि	112.33	110	वित्त हानि

दिशा चक्र

भाग	स0 व0 बिन्दु	पूर्णांकं	प्राप्ति	निष्कर्ष
बन्धुक	भाग्य त्रिकोन	84.25	70	बन्धु –बान्धवो से सहायता
सेवक	कर्म त्रिकोन	84.25	86	नौकरी से अर्जन
पोषक	लाभ त्रिकोन	84.25	95	लाभ और धन
घातक	व्यय त्रिकोन	84.25	86	दुर्भाग्य और हानि

विंशोत्तरी दशा

जन्म के समय विंशोत्तरी ोग्य दशा (एन सी लहरी अयनाश : ०२३:३७:११) : चन्द्रमा : 0 व0 १ मा0 १२ दि0

क0 स0		ग्रह दशा	अवधि	से ———— तक
1	☽	चन्द्रमा महादशा	0 y.1 m.12 d.	06:01:1983 --- 18:02:1983
2	♂	मंगल महादशा	7 y.0 m.0 d.	18:02:1983 --- 18:02:1990
3	☊	राहु महादशा	18 y.0 m.0 d.	18:02:1990 --- 18:02:2008
4	♃	बृहस्पति महादशा	16 y.0 m.0 d.	18:02:2008 --- 18:02:2024
5	♄	शनि महादशा	19 y.0 m.0 d.	18:02:2024 --- 18:02:2043
6	☿	बुध महादशा	17 y.0 m.0 d.	18:02:2043 --- 18:02:2060
7	☋	केतु महादशा	7 y.0 m.0 d.	18:02:2060 --- 18:02:2067
8	♀	शुक्र महादशा	20 y.0 m.0 d.	18:02:2067 --- 18:02:2087
9	☉	सूर्य महादशा	6 y.0 m.0 d.	18:02:2087 --- 18:02:2093

विंशोत्तरी अन्तर्दशा

चन्द्रमा दशा

अन्तर्दशा	से ——— तक
चन्द्रमा	
मंगल	
राहु	
बृहस्पति	
शनि	
बुध	
केतु	
शुक्र	
सूर्य	06:01:1983 - 18:02:1983

मंगल दशा

अन्तर्दशा	से ——— तक
मंगल	18:02:1983 - 17:07:1983
राहु	17:07:1983 - 04:08:1984
बृहस्पति	04:08:1984 - 11:07:1985
शनि	11:07:1985 - 19:08:1986
बुध	19:08:1986 - 16:08:1987
केतु	16:08:1987 - 12:01:1988
शुक्र	12:01:1988 - 14:03:1989
सूर्य	14:03:1989 - 20:07:1989
चन्द्रमा	20:07:1989 - 18:02:1990

राहु दशा

अन्तर्दशा	से ——— तक
राहु	18:02:1990 - 31:10:1992
बृहस्पति	31:10:1992 - 26:03:1995
शनि	26:03:1995 - 30:01:1998
बुध	30:01:1998 - 19:08:2000
केतु	19:08:2000 - 06:09:2001
शुक्र	06:09:2001 - 06:09:2004
सूर्य	06:09:2004 - 01:08:2005
चन्द्रमा	01:08:2005 - 30:01:2007
मंगल	30:01:2007 - 18:02:2008

बृहस्पति दशा

अन्तर्दशा	से ——— तक
बृहस्पति	18:02:2008 - 07:04:2010
शनि	07:04:2010 - 19:10:2012
बुध	19:10:2012 - 24:01:2015
केतु	24:01:2015 - 31:12:2015
शुक्र	31:12:2015 - 31:08:2018
सूर्य	31:08:2018 - 19:06:2019
चन्द्रमा	19:06:2019 - 19:10:2020
मंगल	19:10:2020 - 25:09:2021
राहु	25:09:2021 - 18:02:2024

शनि दशा

अन्तर्दशा	से ——— तक
शनि	18:02:2024 - 21:02:2027
बुध	21:02:2027 - 31:10:2029
केतु	31:10:2029 - 10:12:2030
शुक्र	10:12:2030 - 09:02:2034
सूर्य	09:02:2034 - 21:01:2035
चन्द्रमा	21:01:2035 - 22:08:2036
मंगल	22:08:2036 - 01:10:2037
राहु	01:10:2037 - 07:08:2040
बृहस्पति	07:08:2040 - 18:02:2043

बुध दशा

अन्तर्दशा	से ——— तक
बुध	18:02:2043 - 17:07:2045
केतु	17:07:2045 - 14:07:2046
शुक्र	14:07:2046 - 14:05:2049
सूर्य	14:05:2049 - 20:03:2050
चन्द्रमा	20:03:2050 - 19:08:2051
मंगल	19:08:2051 - 16:08:2052
राहु	16:08:2052 - 05:03:2055
बृहस्पति	05:03:2055 - 10:06:2057
शनि	10:06:2057 - 18:02:2060

केतु दशा

अन्तर्दशा	से ——— तक
केतु	18:02:2060 - 16:07:2060
शुक्र	16:07:2060 - 16:09:2061
सूर्य	16:09:2061 - 21:01:2062
चन्द्रमा	21:01:2062 - 22:08:2062
मंगल	22:08:2062 - 18:01:2063
राहु	18:01:2063 - 06:02:2064
बृहस्पति	06:02:2064 - 12:01:2065
शनि	12:01:2065 - 21:02:2066
बुध	21:02:2066 - 18:02:2067

शुक्र दशा

अन्तर्दशा	से ——— तक
शुक्र	18:02:2067 - 19:06:2070
सूर्य	19:06:2070 - 19:06:2071
चन्द्रमा	19:06:2071 - 18:02:2073
मंगल	18:02:2073 - 19:04:2074
राहु	19:04:2074 - 19:04:2077
बृहस्पति	19:04:2077 - 19:12:2079
शनि	19:12:2079 - 18:02:2083
बुध	18:02:2083 - 19:12:2085
केतु	19:12:2085 - 18:02:2087

सूर्य दशा

अन्तर्दशा	से ——— तक
सूर्य	18:02:2087 - 07:06:2087
चन्द्रमा	07:06:2087 - 07:12:2087
मंगल	07:12:2087 - 13:04:2088
राहु	13:04:2088 - 08:03:2089
बृहस्पति	08:03:2089 - 25:12:2089
शनि	25:12:2089 - 07:12:2090
बुध	07:12:2090 - 13:10:2091
केतु	13:10:2091 - 18:02:2092
शुक्र	18:02:2092 - 18:02:2093

भाव स्फूट और कुण्डली

भाव सङ्ख्या	भाव मध्य		भाव विस्तार (आरम्भ––अन्त)			
I	कर्क	029:04:01	कर्क	13:43:06	सिहं	13:43:06
II	सिहं	028:22:11	सिहं	13:43:06	कन्या	13:01:17
III	कन्या	027:40:22	कन्या	13:01:17	तुला	12:19:27
IV	तुला	026:58:33	तुला	12:19:27	वृश्चिक	12:19:27
V	वृश्चिक	027:40:22	वृश्चिक	12:19:27	धनु	13:01:17
VI	धनु	028:22:11	धनु	13:01:17	मकर	13:43:06
VII	मकर	029:04:01	मकर	13:43:06	कुम्भ	13:43:06
VIII	कुम्भ	028:22:11	कुम्भ	13:43:06	मीन	13:01:17
IX	मीन	027:40:22	मीन	13:01:17	मेष	12:19:27
X	मेष	026:58:33	मेष	12:19:27	वृष	12:19:27
XI	वृष	027:40:22	वृष	12:19:27	मिथुन	13:01:17
XII	मिथुन	028:22:11	मिथुन	13:01:17	कर्क	13:43:06

लग्न कुण्डली

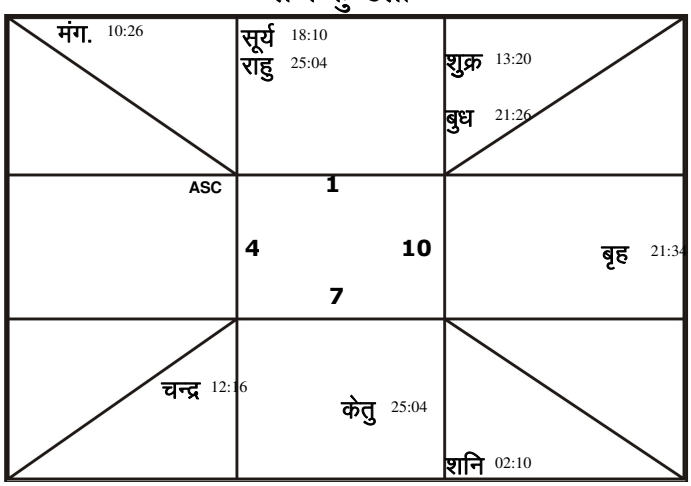

भाव कुण्डली

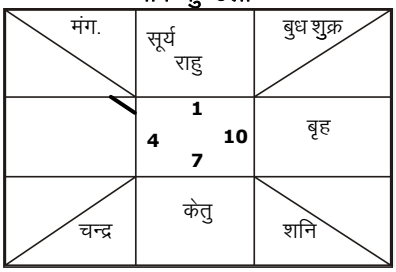

भाव चलित कुण्डली

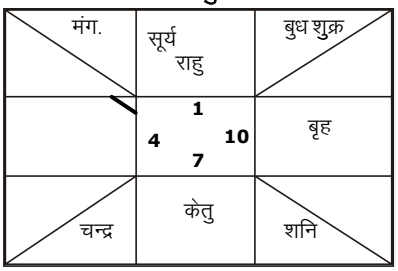

ग्रह से भाव (भाव मध्य) के बीच की दूरी

	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि	राहु	केतु	इन्द्र	वरूण	रूद्र
लग्न	259	43	281	232	173	224	93	266	86	115	131	70
दूसरा भाव	230	14	252	203	143	195	64	237	57	85	101	41
तीसरा भाव	200	345	223	174	114	166	35	207	27	56	72	12
नादिर	171	315	193	144	85	136	5	178	358	27	43	342
पॉचवा भाव	140	285	163	114	54	106	335	147	327	356	12	312
छठवा भाव	110	254	132	83	23	75	304	117	297	325	341	281
सातॅवा भाव	79	223	101	52	353	44	273	86	266	295	311	250
आठवा भाव	50	194	72	23	323	15	244	57	237	265	281	221
नवा भाव	20	165	43	354	294	346	215	27	207	236	252	192
एम सी	351	135	13	324	265	316	185	358	178	207	223	162
ग्यारहवा भाव	320	105	343	294	234	286	155	327	147	176	192	132
बारहवा भाव	290	74	312	263	203	255	124	297	117	145	161	101

0,1,359 0,१,३५९ कन्जक्शॅन **59,60,61,299,300,301** सेक्सटाइल **89,90,91,269,270,271** स्कवायर
119,120,121,239,240,241 ट्राइन **149,150,151,209,210,211** क्वीनकक्सं **179,180,181** अपोजीसन

षोडश वर्ग

लग्न(जन्म) कुण्डली

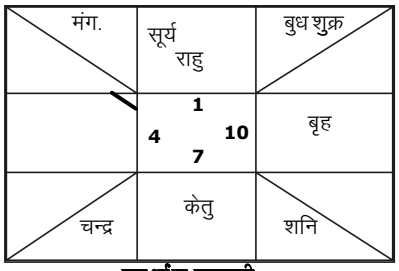

होरा कुण्डली

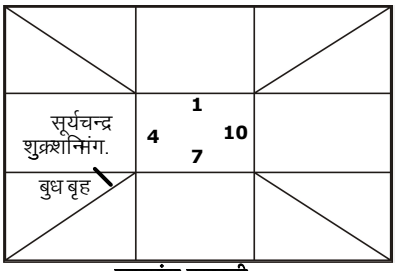

द्रेष्काण कुण्डली

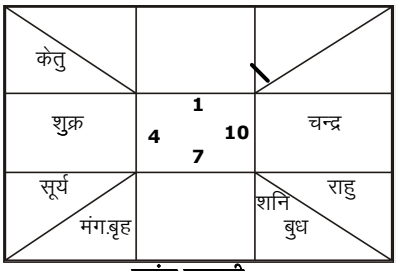

चतुर्थांश कुण्डली

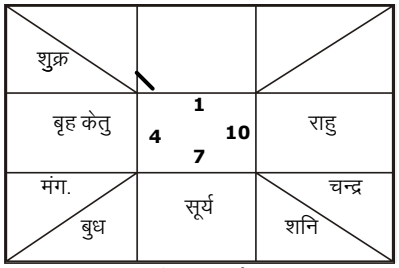

सप्तमांश कुण्डली

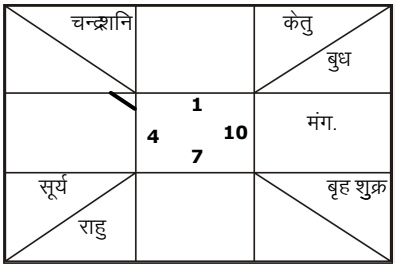

नवांश कुण्डली

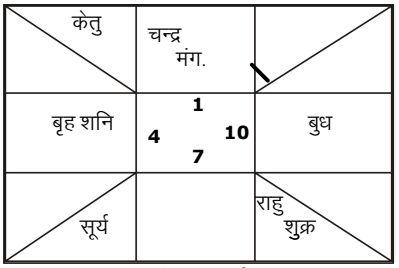

दशमांश कुण्डली

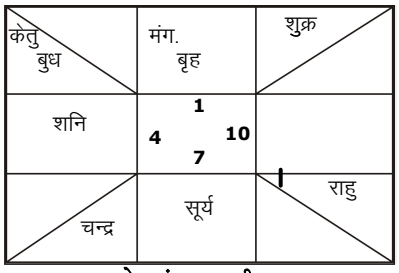

द्वादशांश कुण्डली

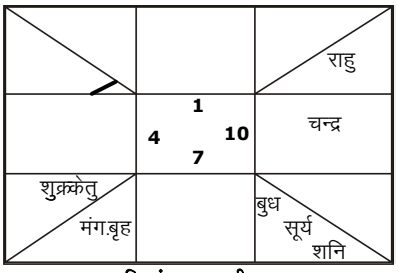

D1	मुख्य कुण्डली, सभी मुद्दों के लिए
D2	धन दौलत के लिए
D3	सहोदरों का जीवन और स्वास्थ्य
D4	भाग्य और रिहायशी मकान
D7	संतान और उनकी संतान
D9	जीवनसाथी और उनका स्वास्थ्य
D10	कारोबार और किसी भी कार्य में सफलता
D12	माता-पिता का जीवन और स्वास्थ्य
D16	वाहन से संबंधित बातें
D20	अध्यात्मिक रूझान
D24	शिक्षा, ज्ञान और समझ
D27	ताकत और दुर्बलता
D30	दरिद्रता, कठिनाईयां और दुर्गति
D40	शुभ-अशुभ घटनाएं
D45	सभी मुद्दों के लिए
D60	सभी मुद्दों के लिए

षोडशांश कुण्डली

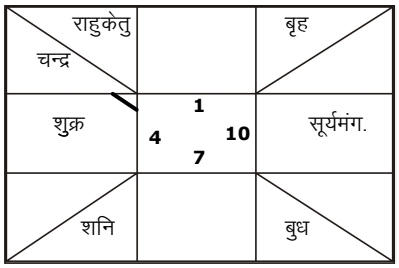

विशांश कुण्डली

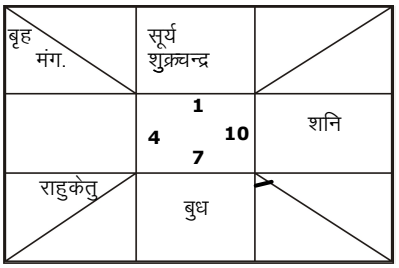

चतुर्विंशांश कुण्डली

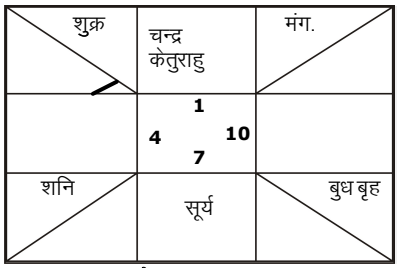

सप्तविंशांश कुण्डली

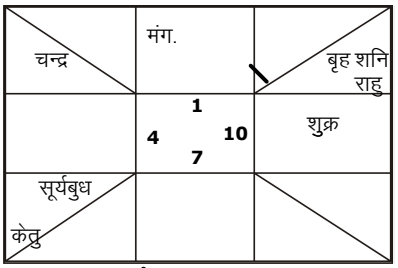

त्रिंशांश कुण्डली

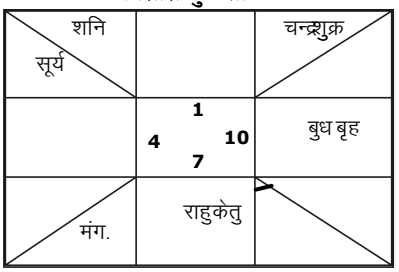

खवेदांश कुण्डली

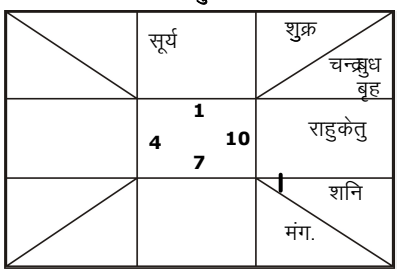

अक्षवेदाशं कुण्डली

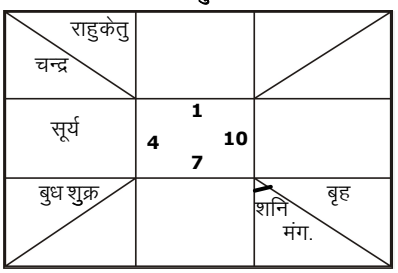

षष्ठांश कुण्डली

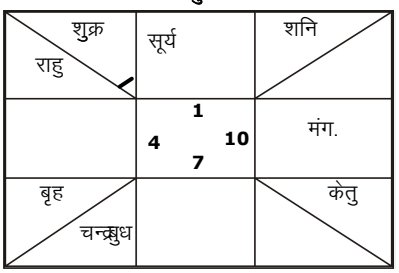

Printed by - MindSutra Software Technologies, New Delhi , www.mindsutra.com

षड्बल

बल का नाम	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि
उच्च बल	57.28	16.91	25.85	02.15	05.53	55.45	55.94
सप्त वर्ग बल	142.50	78.75	78.75	78.75	105.00	71.25	35.63
युग्म अयुग्म बल	15.00	15.00	15.00	00.00	00.00	30.00	00.00
केन्द्रादी बल	60.00	15.00	30.00	15.00	60.00	15.00	30.00
द्रेक्कन बल	00.00	00.00	00.00	00.00	00.00	00.00	00.00
स्थान बल	**274.78**	**125.66**	**149.60**	**95.90**	**170.53**	**171.70**	**121.57**
वांछित स्थान बल	165	133	96	165	165	133	96
वांछित अंश	166.53	94.48	155.83	58.12	103.35	129.10	126.63
दिग बल	**57.07**	**45.10**	**55.51**	**17.46**	**02.50**	**14.54**	**31.04**
वांछित दिग बल	35	50	30	35	35	50	30
वांछित अंश	163.04	90.19	185.03	49.88	07.13	29.09	103.45
नतोन्नत बल	57.08	02.92	02.92	57.08	00.00	57.08	02.92
पक्ष बल	11.97	48.03	11.97	48.03	48.03	48.03	11.97
त्रिभाग बल	60.00	00.00	00.00	00.00	60.00	00.00	00.00
वर्ष बल	15.00	00.00	00.00	00.00	00.00	00.00	00.00
मास बल	00.00	00.00	00.00	00.00	00.00	00.00	30.00
दिन बल	00.00	00.00	00.00	00.00	00.00	45.00	00.00
होरा बल	00.00	00.00	00.00	60.00	00.00	00.00	00.00
अयन बल	48.76	32.45	55.74	22.05	09.07	32.98	53.55
युद्ध बल	00.00	00.00	00.00	00.00	00.00	00.00	00.00
काल बल	**192.82**	**83.40**	**70.63**	**187.17**	**117.11**	**183.10**	**98.44**
वांछित काल बल	112	100	67	112	112	100	67
वांछित अंश	172.16	83.40	105.41	167.12	104.56	183.10	146.92
चेष्टा बल	**48.76**	**48.03**	**45.00**	**30.00**	**15.00**	**30.00**	**30.00**
वांछित चेष्टा बल	50	30	40	50	50	30	40
वांछित अंश	97.53	160.11	112.50	60.00	30.00	100.00	75.00
नैसर्गिक बल	**60.00**	**51.43**	**17.14**	**25.71**	**34.29**	**42.86**	**08.57**
द्रिक बल	**13.52**	**25.02**	**08.42**	**14.90**	**-24.11**	**12.88**	**-00.40**
कुल षड्बल	**646.94**	**378.64**	**346.30**	**371.14**	**315.30**	**455.07**	**289.22**
षड्बल (रूप में)	**10.78**	**6.31**	**5.77**	**6.19**	**5.26**	**7.58**	**4.82**
न्यूनतम वांछनिय	390	360	300	420	390	330	300
वांछनिय अंश	165.88	105.18	115.43	88.37	80.85	137.90	96.41
तुलनात्मक स्थिति	**1**	**3**	**5**	**4**	**6**	**2**	**7**
इष्ट फल	**50.17**	**28.50**	**34.11**	**08.03**	**09.10**	**40.79**	**40.97**
कष्ट फल	**09.83**	**31.50**	**25.89**	**51.97**	**50.90**	**19.21**	**19.03**
दिप्ति बल	**100.00**	**48.03**	**07.43**	**57.28**	**28.86**	**44.46**	**55.33**

भावबल

भाव सँख्या	**I**	**II**	**III**	**IV**	**V**	**VI**	**VII**	**VIII**	**IX**	**X**	**XI**	**XII**
भाव राशि	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन
भावाधिपति बल	378.64	646.94	371.14	455.07	346.30	315.30	289.22	289.22	315.30	346.30	455.07	371.14
भाव दिग्बल	30.00	20.00	40.00	30.00	40.00	20.00	30.00	10.00	10.00	60.00	50.00	50.00
भाव दृष्टि बल	-34.06	-20.41	17.89	14.29	18.08	12.69	-48.36	-12.57	13.57	06.16	23.67	20.85
भाव बल का योग	**374.58**	**646.53**	**429.03**	**499.37**	**404.38**	**347.99**	**270.86**	**286.65**	**338.88**	**412.46**	**528.74**	**441.99**
भाव बल (रूप में)	**6.24**	**10.78**	**7.15**	**8.32**	**6.74**	**5.80**	**4.51**	**4.78**	**5.65**	**6.87**	**8.81**	**7.37**
तुलनात्मक स्थिति	**8**	**1**	**5**	**3**	**7**	**9**	**12**	**11**	**10**	**6**	**2**	**4**

ग्रह दृष्टि (पराशरी)

ग्रह	मुख्य दृष्टि	विशेष दृष्टि
सूर्य	केतु	------
चन्द्रमा	बुध, शुक्र	------
मंगल	शनि	------
बुध	चन्द्रमा	------
बृहस्पति	लग्न	चन्द्रमा, मंगल
शुक्र	चन्द्रमा	------
शनि	मंगल	बृहस्पति
राहु	केतु	------
केतु	सूर्य, राहु	------

ग्रह दृष्टि (जैमिनी)

राशि (ग्रह)	सम्मुख दृष्टि	पृष्ठ दृष्टि
मेष (सू0, रा0)	वृश्चिक (श0)	सिहं, कुम्भ
वृष (मं0)	तुला (के0)	कर्क, मकर (बृ0)
मिथुन	कन्या (च0)	धनु, मीन (बु0, शु0)
कर्क	कुम्भ	वृष (मं0), वृश्चिक (श0)
सिहं	मकर (बृ0)	मेष (सू0, रा0), तुला (के0)
कन्या (च0)	मिथुन	धनु, मीन (बु0, शु0)
तुला (के0)	वृष (मं0)	सिहं, कुम्भ
वृश्चिक (श0)	मेष (सू0, रा0)	कर्क, मकर (बृ0)
धनु	मीन (बु0, शु0)	मिथुन, कन्या (च0)
मकर (बृ0)	सिहं	वृष (मं0), वृश्चिक (श0)
कुम्भ	कर्क	मेष (सू0, रा0), तुला (के0)
मीन (बु0, शु0)	धनु	मिथुन, कन्या (च0)

नोट-सम्मुख दृष्टि का प्रभाव पृष्ठ दृष्टि से ज़्यादा होता है।

ग्रह दृष्टि (ताजिक)

ग्रह	लग्न	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि	राहु	केतु
लग्न	---									
सूर्य	4/10 (-)	---								
चन्द्रमा	3/11 (-)	6/8 (+)	---							
मंगल	3/11 (-)	2/12 (+)	5/9 (+)	---						
बुध	5/9 (-)	2/12 (+)	7/7 (+)	3/11 (-)	---					
बृहस्पति	7/7 (-)	4/10 (+)	5/9 (+)	5/9 (-)	3/11 (+)	---				
शुक्र	5/9 (-)	2/12 (+)	7/7 (+)	3/11 (+)	1/1 (-)	3/11 (-)	---			
शनि	5/9 (-)	6/8 (-)	3/11 (+)	7/7 (+)	5/9 (-)	3/11 (-)	5/9 (-)	---		
राहु	4/10 (-)	1/1 (+)	6/8 (-)	2/12 (-)	2/12 (+)	4/10 (+)	2/12 (-)	6/8 (-)	---	
केतु	4/10 (-)	7/7 (+)	2/12 (-)	6/8 (-)	6/8 (+)	4/10 (+)	6/8 (-)	2/12 (-)	7/7 (+)	---

१/१ कन्जक्शन , २ /१२ सेमी सेक्सटाइल , ३/११ सेक्सटाइल , ४/१० स्क्वायर , ५/६ ट्राइन , ६/८ क्वीन्कशं , ७/७ अपोजीशन (.) से अभिप्राय यह है कि इसमें ग्रहीय दृष्टि सीमा का समावेश है , () से अभिप्राय यह है कि इसमें ग्रहीय दृष्टि सीमा का समावेश नहीं है।

नोट- ग्रह दृष्टि के लिए ताजिक सिद्धान्त के अनुसार औसत ग्रहीय दृष्टि सीमा को लिया गया है। राहु और केतु के लिए दृष्टि सीमा ६ लिय गया है, परन्तु लग्न के लिए किसी दृष्टि सीमा को नहीं लिया गया है।

भिन्न अष्टक वर्ग कुण्डली

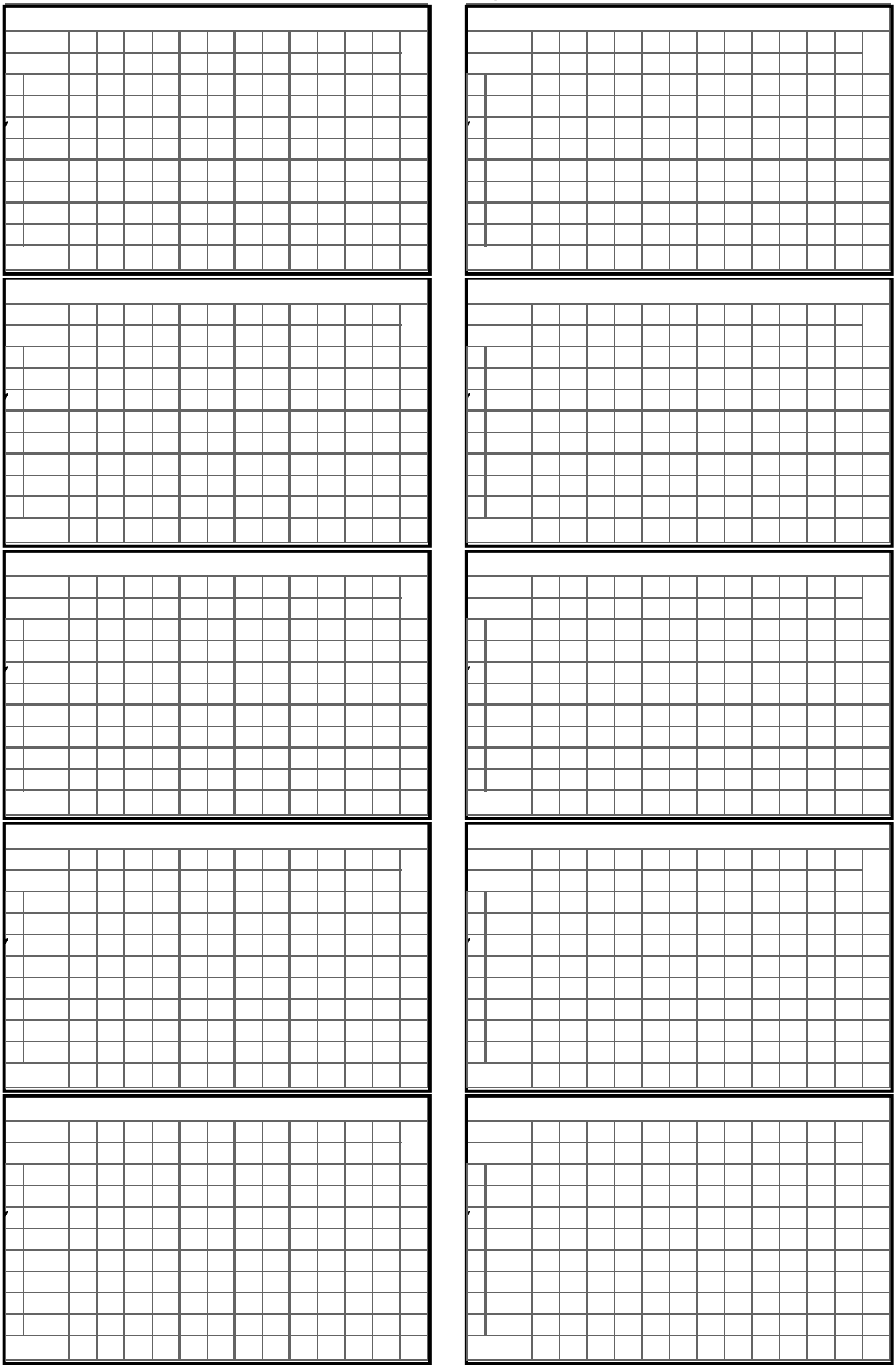

सर्वाष्टक वर्ग से निष्कर्ष

सर्वाष्टक वर्ग

राशि		मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिहं	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	
भाव		X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII	VIII	IX	
♄	शनि	4	3	1	4	2	3	4	4	3	4	5	2	39
♃	बृहस्पति	6	4	3	6	5	0	5	6	5	7	3	6	56
♂	मगंल	1	4	4	4	5	3	2	4	3	3	5	1	39
☉	सूर्य	2	6	5	4	4	4	2	6	5	3	6	1	48
♀	शुक	3	5	2	6	5	5	5	6	2	5	3	5	52
☿	बुध	3	5	5	5	6	2	3	5	7	3	6	4	54
☽	चन्द्रमा	3	3	5	5	1	7	4	4	4	6	3	4	49
योग		22	30	25	34	28	24	25	35	29	31	31	23	337
AC	लग्न	5	4	5	5	3	4	4	4	2	4	5	4	49
☊	राहु	5	3	6	1	4	6	4	4	0	5	2	4	44

तत्व चक्र

स0 व0 बिन्दु	पूर्णाकं	प्राप्ति	शुभ दिशा
अग्नि त्रिकोन	84.25	79	पूर्व
पृथ्वी त्रिकोन	84.25	85	दक्षिण
वायु त्रिकोन	84.25	81	पश्चिम
जल त्रिकोन	84.25	92	उत्तर

)विशेष – सबसे ज़्यादा बिन्दु सबसे शुभ दिशा को इंगित करता है (पू, द, प और उ)। अगर दोनों भागों के बिन्दुओं की संख्या बराबर या आसपास हैं, तो शुभ दिशा (उ पू, दपू, उ प और दप) होगी।)

भुवन चक्र

स0 व0 बिन्दु	पूर्णाकं	प्राप्ति	निष्कर्ष
केन्द्र भाव–राशि	112.33	112	मेहनत और लगन
पनफरा भाव–राशि	112.33	124	आर्थिक स्थिति
अपक्लिम् भाव–राशि	112.33	101	वित्त हानि

दिशा चक्र

भाग	स0 व0 बिन्दु	पूर्णाकं	प्राप्ति	निष्कर्ष
बन्धुक	भाग्य त्रिकोन	84.25	92	बन्धु –बान्धवो से सहायता
सेवक	कर्म त्रिकोन	84.25	79	नौकरी से अर्जन
पोषक	लाभ त्रिकोन	84.25	85	लाभ और धन
घातक	व्यय त्रिकोन	84.25	81	दुर्भाग्य और हानि

विंशोत्तरी दशा

जन्म के समय विंशोत्तरी ोग्य दशा (एन सी लहरी अयनाश : ०२३:३६:०८) : चन्द्रमा : ८ व0 ३ मा0 १८ दि0

क0 स0	ग्रह दशा	अवधि	से ———————— तक
1	☽ चन्द्रमा महादशा	8 y.3 m.18 d.	02:05:1985 --- 19:08:1993
2	♂ मंगल महादशा	7 y.0 m.0 d.	19:08:1993 --- 19:08:2000
3	☊ राहु महादशा	18 y.0 m.0 d.	19:08:2000 --- 19:08:2018
4	♃ बृहस्पति महादशा	16 y.0 m.0 d.	19:08:2018 --- 19:08:2034
5	♄ शनि महादशा	19 y.0 m.0 d.	19:08:2034 --- 19:08:2053
6	☿ बुध महादशा	17 y.0 m.0 d.	19:08:2053 --- 19:08:2070
7	☋ केतु महादशा	7 y.0 m.0 d.	19:08:2070 --- 19:08:2077
8	♀ शुक्र महादशा	20 y.0 m.0 d.	19:08:2077 --- 19:08:2097
9	☉ सूर्य महादशा	6 y.0 m.0 d.	19:08:2097 --- 19:08:2103

विंशोत्तरी अन्तर्दशा

चन्द्रमा दशा

अन्तर्दशा	से ——— तक
चन्द्रमा	
मंगल	
राहु	02:05:1985 - 20:07:1986
बृहस्पति	20:07:1986 - 19:11:1987
शनि	19:11:1987 - 20:06:1989
बुध	20:06:1989 - 19:11:1990
केतु	19:11:1990 - 20:06:1991
शुक्र	20:06:1991 - 18:02:1993
सूर्य	18:02:1993 - 19:08:1993

मंगल दशा

अन्तर्दशा	से ——— तक
मंगल	19:08:1993 - 15:01:1994
राहु	15:01:1994 - 03:02:1995
बृहस्पति	03:02:1995 - 09:01:1996
शनि	09:01:1996 - 18:02:1997
बुध	18:02:1997 - 15:02:1998
केतु	15:02:1998 - 14:07:1998
शुक्र	14:07:1998 - 13:09:1999
सूर्य	13:09:1999 - 19:01:2000
चन्द्रमा	19:01:2000 - 19:08:2000

राहु दशा

अन्तर्दशा	से ——— तक
राहु	19:08:2000 - 02:05:2003
बृहस्पति	02:05:2003 - 25:09:2005
शनि	25:09:2005 - 01:08:2008
बुध	01:08:2008 - 18:02:2011
केतु	18:02:2011 - 07:03:2012
शुक्र	07:03:2012 - 08:03:2015
सूर्य	08:03:2015 - 31:01:2016
चन्द्रमा	31:01:2016 - 01:08:2017
मंगल	01:08:2017 - 19:08:2018

बृहस्पति दशा

अन्तर्दशा	से ——— तक
बृहस्पति	19:08:2018 - 07:10:2020
शनि	07:10:2020 - 20:04:2023
बुध	20:04:2023 - 26:07:2025
केतु	26:07:2025 - 02:07:2026
शुक्र	02:07:2026 - 02:03:2029
सूर्य	02:03:2029 - 19:12:2029
चन्द्रमा	19:12:2029 - 20:04:2031
मंगल	20:04:2031 - 26:03:2032
राहु	26:03:2032 - 19:08:2034

शनि दशा

अन्तर्दशा	से ——— तक
शनि	19:08:2034 - 22:08:2037
बुध	22:08:2037 - 01:05:2040
केतु	01:05:2040 - 10:06:2041
शुक्र	10:06:2041 - 10:08:2044
सूर्य	10:08:2044 - 23:07:2045
चन्द्रमा	23:07:2045 - 21:02:2047
मंगल	21:02:2047 - 01:04:2048
राहु	01:04:2048 - 06:02:2051
बृहस्पति	06:02:2051 - 19:08:2053

बुध दशा

अन्तर्दशा	से ——— तक
बुध	19:08:2053 - 15:01:2056
केतु	15:01:2056 - 12:01:2057
शुक्र	12:01:2057 - 13:11:2059
सूर्य	13:11:2059 - 19:09:2060
चन्द्रमा	19:09:2060 - 18:02:2062
मंगल	18:02:2062 - 15:02:2063
राहु	15:02:2063 - 04:09:2065
बृहस्पति	04:09:2065 - 10:12:2067
शनि	10:12:2067 - 19:08:2070

केतु दशा

अन्तर्दशा	से ——— तक
केतु	19:08:2070 - 15:01:2071
शुक्र	15:01:2071 - 16:03:2072
सूर्य	16:03:2072 - 23:07:2072
चन्द्रमा	23:07:2072 - 21:02:2073
मंगल	21:02:2073 - 20:07:2073
राहु	20:07:2073 - 07:08:2074
बृहस्पति	07:08:2074 - 14:07:2075
शनि	14:07:2075 - 22:08:2076
बुध	22:08:2076 - 19:08:2077

शुक्र दशा

अन्तर्दशा	से ——— तक
शुक्र	19:08:2077 - 19:12:2080
सूर्य	19:12:2080 - 19:12:2081
चन्द्रमा	19:12:2081 - 19:08:2083
मंगल	19:08:2083 - 19:10:2084
राहु	19:10:2084 - 19:10:2087
बृहस्पति	19:10:2087 - 20:06:2090
शनि	20:06:2090 - 19:08:2093
बुध	19:08:2093 - 19:06:2096
केतु	19:06:2096 - 19:08:2097

सूर्य दशा

अन्तर्दशा	से ——— तक
सूर्य	19:08:2097 - 07:12:2097
चन्द्रमा	07:12:2097 - 07:06:2098
मंगल	07:06:2098 - 13:10:2098
राहु	13:10:2098 - 07:09:2099
बृहस्पति	07:09:2099 - 26:06:2100
शनि	26:06:2100 - 07:06:2101
बुध	07:06:2101 - 14:04:2102
केतु	14:04:2102 - 19:08:2102
शुक्र	19:08:2102 - 19:08:2103

कुज दोष (या मांगलिक दोष) की उपस्थिति की जाँच

लड़के की कुण्डली में, मंगल शुक्र राशि में स्थित है। उत्तर भारतीय पद्धति के अनुसार, यह कुज दोष (या मांगलिक दोष) का निर्माण करता है। अगले भाग में इस बात की जाँच की जायेगी, कि इस कुण्डली में इस दोष को निरस्त करने की कोई दशा भी विद्यामान है, या नहीं। हालाँकि, दक्षिण भारतीय पद्धति के अनुसार, मंगल की शुक्र राशि में उपस्थिति कुज दोष (या मांगलिक दोष) का निर्माण नहीं करती है।

कुज दोष (या मांगलिक दोष) का निस्तारण

लड़के की कुण्डली में, मंगल चर राशि में स्थित है। कुछ लोगों के अनुसार यह एक अपवाद है, जहाँ पर कुज दोष को जाँचने की कोई आवश्यकता ही नहीं है। लड़का मांगलिक दोष से मुक्त है – वह मंगली नहीं है। (हालाँकि इस राय को बहुमत नहीं प्राप्त है।)

चारों नुकसानदायक नक्षत्रों में जन्म की जाँच

२७ नक्षत्रों में से , केवल ४ नक्षत्रों (अश्लेषा, विशाखा, ज्येष्ठा और मूला) को विनाशकारी नक्षत्र माना गया है– जैसाकि इनमें से प्रत्येक नक्षत्र कुछ प्रतिकूल प्रभाव देने वाला समझा जाता है, और जीवन साथी के एक निश्चित संबंधी के स्वास्थ्य तथा सुख को प्रभावित करता है। यदि लड़की का चन्द्रमा इन चारों में से किसी एक नक्षत्र में स्थित है, तो यह प्रभाव अधिक भयप्रद है। यदि लड़के का चन्द्रमा इन चारों में से किसी एक नक्षत्र में स्थित है, तो भी समान प्रभाव पड़ता है। हालाँकि, यह बात ध्यान में रखनी चाहिये, कि विषम परिणाम इन चारों में से किसी एक नक्षत्र के, केवल एक विशेष चरण में ही प्राप्त होते हैं, शेष अन्य तीन चरणों में नहीं। अश्लेषा का प्रथम चरण, विशाखा का प्रथम चरण, ज्येष्ठा का प्रथम चरण और मूला का चौथा चरण अशुभ माना जाता है– जबकि इन चारों में से प्रत्येक नक्षत्र के शेष तीन अन्य चरण अशुभ नहीं होते हैं(कम से कम इस संबंध में)

विहग, तत्व, वध–विनाशक और सम–गोत्र दोष की जाँच

चन्द्रमा के नक्षत्र के विहग वर्गीकरण के अनुसार, लड़के की श्रेणी वायस है, लड़की का चन्द्रमा नक्षत्र भी उसी श्रेणी से संबंधित है। यह एक अनुकूल युति है – जैसाकि समान विहाग श्रेणी वाले युग्म की पसन्द / नापसन्द, अभिलाषाओं आदि के संबंध में बहुत समानतायें होती हैं। अत:, इस युग्म की कुण्डलियों में इस संबंध में गुण मिलान विद्यमान है----(इस गुण मिलान का वर्णन विहग – अनुकूल्या के रूप में सोमायाजी के प्राचीन शास्त्र जातकदेश मार्ग में किया गया है।)

चन्द्रमा के नक्षत्र के तत्व वर्गीकरण के अनुसार, लड़के की श्रेणी अग्नि है, लड़की का चन्द्रमा नक्षत्र भी उसी श्रेणी से संबंधित है। यह एक अनुकूल युति है – जैसाकि समान तत्व– श्रेणी वाले युग्म की आन्तरिक प्रकृति के संबंध में बहुतसमानतायें होती हैं। अत:, इस युग्म की कुण्डलियों में इस संबंध में गुण मिलान विद्यमान है–(इस गुण मिलान का वर्णन विहग – अनुकूल्या के रूप में सोमायाजी के प्राचीन शास्त्र जातकदेश मार्ग में किया गया है।)

लड़के और लड़की की जन्मकुण्डलियों में चन्द्रमा की स्थिति की तुलना करने के दौरान लड़की के चन्द्रमा का नक्षत्र लड़के के चन्द्रमा के नक्षत्र से गिनने पर २२वाँ नक्षत्र नहीं है, और ना ही लड़के के चन्द्रमा का नक्षत्र लड़की के चन्द्रमा के नक्षत्र से गिनने पर २२वाँ नक्षत्र है। अत: वध – वैनाशिक दोष की प्रतिकूल युति इन दोनों कुण्डलियों में विद्यमान नहीं है। इसलिये, यदि इस युग्म का मिलान एक साथ होता है, तो उसमें कोई समस्या नहीं है।

दोनों जन्मकुण्डलियों के मिलान करने के दौरान, यह दिखता जाता है, कि २८ नक्षत्र पद्धति (अभिजीत सहित) के अनुसार, लड़के के चन्द्रमा का नक्षत्र अत्री श्रेणी में आता है। लड़की के नक्षत्र का गोत्र भी उसी श्रेणी में स्थित है। जैसाकि ये दोनों एक ही श्रेणी से संबंधित है, इसे अशुभ माना जाता है। इस मिलान को टाल देना चाहिये –अन्यथा संतान का बौद्धिक स्तर और आध्यात्मिक रूझान ऊँची कोटि का नहीं हो सकता है।

४ नक्षत्र – मृगशिरा (५), मघा (१०), स्वाती (१५) और अनुराधा (१७) विशेष नक्षत्रों की श्रेणी में आते हैं। यदि लड़के या लड़की के चन्द्रमा का नक्षत्र इनमें से कोई है, तो मिलान स्वीकार्य हो सकता है – यद्यपि कूट मिलान का कुलजोड़ अनुकूलतम योग से कम हो। यह काल विधान, मुहुर्त पर एक लेख (चुनाव ज्योतिष) के अनुसार है।

दोनों कुण्डलियों (लड़के और लड़की दोनों की) में चन्द्रमा का नक्षत्र चार विशेष (महा) नक्षत्रों (मृगशिरा मघा , स्वाती तथा अनुराधा) में से एक भी नहीं है। अत: इस आधार पर इस विशेष मामले में किसी विशेष विचार का प्रश्न

नहीं उठता है।

वर–वधु की कुण्डली में वैवाहिक सामंजस्य की जांच–अष्ट–कुट मिलान से

वर्ण कुट सामंजस्य की उपस्थिति की जांच –

लड़के और लड़की दोनों का वर्ण वैश्य है। यह बहुत अनुकूल है, और इस कारण से वैवाहिक अनुकूलता पूर्ण रूप सेविद्यमान है। इस गणना के अनुसार कूट मिलान का प्राप्तांक १ (पूर्णांक – १) है।

वश्य कुट सामंजस्य की उपस्थिति की जांच –

लड़के का वश्य द्विपद है और लड़की का वश्य भी समान समूह का है। यह बहुत अनुकूल है और इस कारण से वैवाहिक अनुकूलता विद्यमान है। इस गणना के अनुसार कूट मिलान का प्राप्तांक २ (पूर्णांक – २) है।

तारा कुट (दिन कुट) सामंजस्य की उपस्थिति की जांच –

लड़की के जन्म नक्षत्र से लड़के के जन्म नक्षत्र तक गणना करने पर १ संख्या प्राप्त होती है। ९ से विभाजित करने पर इसमें १ शेष बचता है, जो अनुकूल नहीं है। लड़के के जन्म नक्षत्र से लड़की के जन्म नक्षत्र तक गणना करने पर १ संख्या प्राप्त होती है। ९ से विभाजित करने पर इसमें १ शेष बचता है, जो अनुकूल नहीं है। अतः दिन (तारा) कूट के कारण इस कुण्डली में वैवाहिक अनुकूलता आंशिक तौर पर उपस्थित है। इस गणना के अनुसार, कूट – मिलान संख्या में १५ अंकों (पूर्णांक – ३) का योगदान होगा।

योनि कुट सामंजस्य की उपस्थिति की जांच –

दोनों कुण्डलियों (लड़के और लड़की की) में, यद्यपि योनि समान है फिर भी ये दोनों महिला श्रेणी से संबंधित है, जोकि अनुकूल संकेत नहीं है। यद्यपि विवाह स्वीकार्य माना जाता है, फिर भी इस आधार पर अनुकूलता बहुत उत्तम नहींहै। जैसाकि यह विशेष कूट आन्तरिक प्रकृति – आवश्यकताओं और संबंधों के अनुसार, जो हर व्यक्तिमें बहुत भिन्न होते हैं को व्यक्तकरता है।

वर का नक्षत्र महिष (स्त्री) श्रेणी का है, जबकि वधू का नक्षत्र महिष (स्त्री) श्रेणी का है। योनि–कूट मिलान के अनुसार, इस जोड़ी के लिए, ४ गुण का योगदान है।

ग्रह–मैत्रि सामंजस्य कुट की उपस्थिति की जांच –

लड़के का जन्म राशिपति बुध है, और लड़की का भी जन्म– राशिपति भी वही ग्रह है। यह एक बहुत अनुकूल युति है– जैसाकि यह विशेष कूट युग्म के मनोवैज्ञानिक स्वभावों को दर्शाता है। युग्म की मानसिक विशेषतायें बहुत अनुकूल होगीं, और उन दोनों में एक दूसरे के लिये परस्पर सम्मान / स्नेह का भाव होगा, जोकि वैवाहिक जीवन में खुशियों के लिये एक जीवनकारी कारक है। इस कारण से, कूट – मिलान संख्या में ५अंकों (पूर्णांक – ५) का योगदान होगा।

गण कुट सामंजस्य की उपस्थिति की जांच –

लड़के का नक्षत्र देव गण श्रेणी में है, जबकि लड़की का नक्षत्र भी देव गण श्रेणी में स्थित है। यह बहुत अनुकूल युति है, जैसा की गण व्यक्तिके मिजाज और रूझान को व्यक्तकरता है। संभावित युग्म के दोनों सदस्य परिपक्व दृष्टिकोण और धैर्यवान प्रकृति के होगें। वे कुछ अति वांछित गुणों से पूर्ण होगें। इस गणना के अनुसार कूट मिलान का प्राप्तांक ६ (पूर्णांक – ६) है।

राशि कुट सामंजस्य की उपस्थिति की जांच –

लड़के की जन्म राशि कन्या है, जबकि लड़की की जन्म राशि भी कन्या है। यह बहुत अनुकूल है, और बहुत उत्तम परस्पर समझ का संकेत है, जो वैवाहिक जीवन में खुशियाँ सुनिश्चित करने का कारक है। अतः इस कारण से कूट मिलान का प्राप्तांक अधिकतम ७ है।

नाड़ी कुट सामंजस्य की उपस्थिति की जांच –

लड़के की नाड़ी आदी (वात) श्रेणी से संबंधित है, जबकि लडकी की नाड़ी भी आदी श्रेणी से संबंधित है। यह एक अनुकूल युति नहीं है, और इसके अनुसार कूट मिलान का योग 0 है।

लड़के और लड़की की नाड़ी समान श्रेणी से हैं, लेकिन उनके नाड़ी पद एक ही वर्ग के नहीं हैं। यह एक अनुकूल युतिहै, और विवाह की आज्ञा दी जा सकती है, यद्यपि इसके अनुसार कूट मिलान योग 0 है।

वर की नाड़ी आदि श्रेणी का है, जबकि वधू की नाड़ी आदि श्रेणी का है। जैसा कि वर और वधू की नाड़ी समान श्रेणी की नही है, संकेत लाभदायक हैं। दोनों को विवाह की सलाह दी जा सकती है। कूट–मिलान का कुल योग १८ से कम नही है। इस हिसाब से योगदान 0 गुण का है।